दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 26 मार्च 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 176

महत्वपूर्ण एवं खास

कर्नाटक में रेप के बाद नाबालिग की मौत

रामनगर (आरएनएस)। कर्नाटक के रामनगर जिले में एक नाबालिग लडक़ी की बलात्कार के बाद मौत हो गई, पुलिस ने शनिवार को कहा कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह घटना बेंगलुरु के बाहरी इलाके टाटागुनी गांव में हुई। पुलिस के मुताबिक, 12वीं कक्षा में पढऩे वाली 17 वर्षीय पीडि़ता के साथ गांव के पास सुनसान इलाके में दुष्कर्म किया गया और ज्यादा खून बह जाने के कारण उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने कहा कि लडक़ी को उसी गांव का रहने वाला आरोपी बहला-फुसलाकर मौके पर ले गया था। कग्गलीपुरा पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और शव को राजराजेश्वरी अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

एमसीडी में नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

नोएडा (आरएनएस)। थाना सेक्टर-58 नोएडा पुलिस ने एमसीडी में नौकरी लगवाने के नाम पर धोखाधड़ी करने के आरोपी नरेशपाल पुत्र श्योराज पाल, निवासी आरसी-210, सुभाष पार्क, खोडा कॉलोनी, थाना खोडा, जिला गाजियाबाद को थाना क्षेत्र के थापर गेट के पास सेक्टर-56, नोएडा से गिरफ्तार किया है। 24 मार्च को पीडि़त ने थाना सेक्टर-58, नोएडा पर सूचना दी थी की वह ए-13, सेक्टर-55 नोएडा में मदर डेयरी चलाता है और इसी के पास नरेशपाल और उसकी पत्नी भारती रह रहे थे। नरेशपाल द्वारा बताया गया कि वह एमसीडी में जॉब करता है और उसकी पत्नी की भी एमसीडी में जॉब लगवा सकता है। इसी प्रकरण में नरेशपाल ने वादी से डॉक्यूमेंट वेरीफीकेशन, ऑनलाइन फीस आदि के नाम पर 3,37,170/- रुपए ले लिये और न तो नौकरी ही लगवायी और न ही अब फोन उठा रहा है। इस घटना के सम्बन्ध में थाना सेक्टर-58, नोएडा में केस दर्ज कर अभियुक्त नरेशपाल उपरोक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सिर्फ एक शक और सिरफिरे ने दिनदहाड़े पड़ोसियों पर चाकू से किया हमला, 4 की मौत

मुंबई (आरएनएस)। दक्षिण मुंबई में एक रिहायशी बिल्डिंग में 54 वर्षीय एक व्यक्ति ने पड़ोसियों पर चाकू से हमला कर दिया जिनमें से 4 की मौत हो गई और 1 गंभीर रूप से घायल हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि कुछ महीने पहले आरोपी की फैमिली उसको छोड़ कर चली गई थी। आरोपी को लगता था कि पड़ोसियों को वजह से यह सब हुआ है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि इसी गुस्से में हमलावर ने अपने पड़ोसियों पर हमला किया है। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है। जिस इमारत में ये वारदात हुई, पुलिस ने उस पूरी मंजिल को सील कर कर दिया है। ये घटना ग्रांट रोड पर पार्वती मेंशन में हुई। बताया गया कि मानसिक रूप से परेशान शख्स ने शुक्रवार को अपने पड़ोसी परिवारों के पांच लोगों पर हमला कर दिया। घायलों को गिरगाम के एक निजी अस्पताल और नगर निगम द्वारा संचालित नायर अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान जयेंद्र और नीला मिस्त्री और दो अन्य महिलाओं की मौत हो गई। एक अन्य व्यक्ति का इलाज चल रहा था। हमला करने के बाद आरोपी ने खुद को बिल्डिंग के एक कमरे में बंद कर लिया।

गृहमंत्री ने सीआरपीएफ के 174 करोड़ के कार्यों का किया ई - लोकार्पण

- बल के स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए केंद्रीय गृहमंत्री शाह
- छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अब समाप्ति की ओर : केंद्रीय गृहमंत्री
- सुकमा में शहीद हुए कोबरा बटालियन जवान कनई मांझी की विधवा पापिया का किया सम्मान
- आकाशवाणी के साप्ताहिक हल्बी समाचार बुलेटिन का किया शुभारंभ

जगदलपुर (आरएनएस)। जिला मुख्यालय जगदलपुर से लगभग 15 किमी दूर करनपुर स्थित केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 201 कोबरा बतालियन कैंप में 84वां सीआरपीएफ स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने यहां शहीद स्मारक पर माल्यार्पण और परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान सीआरपीएफ की विभिन्न टुकडिय़ों ने आकर्षक मार्चपास्ट कर उन्हें सलामी दी।

गृहमंत्री ने देशहित में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सीआरपीएफ के जवानों को सम्मानित किया। इनमें सुकमा जिले में 18 फरवरी 2020 को वामपंथी उग्रवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में चार उग्रवादियों को ढेर करते हुए प्राणोत्सर्ग करने वाले 208 कोबरा बटालियन के जवान कनई मांझी की पत्नी पापिया मांझी भी शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने 13 अन्य जवानों तथा अधिकारियों को तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाली बटालियनों को भी सम्मानित किया। उन्होंने 174 करोड़ रुपए की लागत से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के लिए निर्मित विभिन्न विकास एवं अधोसंरचना मूलक कार्यों का ई-लोकार्पण किया। इस अवसर पर शाह ने आकाशवाणी जगदलपुर के हल्बी बोली वाली साप्ताहिक समाचार बुलेटिन का भी शुभारंभ किया। सीआरपीएफ के 84वें स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि पहली बार छत्तीसगढ़ के बस्तर में स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ ने देश की शांति और सुरक्षा में सर्वोच्च योगदान दिया है और इस कार्य में हमारे 2249 जवान बलिदानी हुए हैं। वामपंथी उग्रवाद से लोहा लेते हुए हमारे 763 जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। सीआरपीएफ और स्थानीय पुलिस के जवानों के हौसलों के कारण वामपंथी उग्रवाद अब समाप्ति की ओर है। सीआरपीएफ ने सभी क्षेत्रों में अपनी जान को जोखिम में डालकर दूरस्थ अंचलों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, शांति की स्थापना का कार्य किया है। उन्होंने इस अवसर पर सीआरपीएफ की स्थापना और उसके इतिहास के संबंध में भी उल्लेख किया। शाह ने हल्बी बोली में साप्ताहिक समाचार बुलेटिन के प्रारंभ होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे स्थानीय बोली के संरक्षण का उद्देश्य पूरा होगा।

फोर्स की लेडी बाइकर्स ने दिखाया दम- नारीशक्ति थीम पर आयोजित केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की महिला मोटर साईकल एक्सपीडिशन के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने महिला जवानों के साहस और उत्साह की सराहना की। इस अवसर पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की महिला मोटर साईकल एक्सपिडिशन का फ्लैग इन, बस्तर के धुरवा जनजाति द्वारा धुरवा नृत्य, फ्यूजन ऑफ मार्शल आर्ट और के-9 का साहसिक प्रदर्शन किया गया। केन्द्रीय गृहमंत्री ने कार्यक्रम के उपरांत जवानों एवं अधिकारियों के साथ स्वल्पाहार ग्रहण किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय गृह सचिव अशोक कुमार भल्ला, सीआरपीएफ के महानिदेशक डॉ. सुजॉय लाल थाउसेन, उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पंकज कुमार सिंह, सीआरपीएफ के पूर्व महानिदेशक कुलदीप सिंह, छत्तीसगढ़ के गृह विभाग के प्रमुख सचिव मनोज पिंगुआ, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा सहित देशभर से पहुंचे सीआरपीएफ के उच्च अधिकारी तथा स्थानीय जिला व पुलिस प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे।

गृहमंत्री ने जवानों को वीरता पदक- विशिष्ट सेवा पदक से किया सम्मानित

सीआरपीएफ के 84वां स्थापना दिवस समारोह में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। केंद्रीय गृहमंत्री ने आतंकी और नक्सल घटनाओं में अदम्य साहस दिखाने वाले अधिकारियों और जवानों को वीरता पदक और विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में अमित शाह ने कई विकास कार्यों और भवनों का लोकार्पण किया, वहीं हल्बी समाचार बुलेटिन का भी शुभारंभ किया। वीरता पदक और विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित जवानों में 01) स्व. हवलदार दीप चंद्र वर्मा को उनके द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस और अपने प्राणों के सर्वोच्च बलिदान हेतु उन्हें मरणोपरांत वीरता के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। शहीद दीपचंद्र वर्मा की धर्मपत्नी सरोज ने पदक ग्रहण किया। 02) 18 फरवरी 2020 को छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के जंगल क्षेत्र में, नक्सलियों द्वारा घात लगाकर किए गये अंबुश के दौरान 208 कोबरा के सिपाही कनई मांझी को मरणोपरांत वीरता के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया गया। सिपाही कनई मांझी की धर्मपत्नी पापीया मांझी ने पदक ग्रहण किया। 03) सिपाही रोहित कुमार ने दो कुख्यात माओवादियों को मार गिराया। इनके द्वारा प्रदर्शित कुशल सामरिक रणनीति एवं युद्ध कौशल हेतु इन्हें वीरता के पुलिस पदक से सम्मानित किया गया।

पीएम मोदी की सुरक्षा में बड़ी चूक, रोड शो में प्रधानमंत्री के काफिले के पास पहुंचा शख्स

दावणगेरे (आरएनएस)। कर्नाटक के दावणगेरे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो के दौरान सुरक्षा में चुक हुई है। एक व्यक्ति ने पीएम मोदी के काफिले की ओर भागने की कोशिश की। पुलिस ने उस व्यक्ति को बाद में हिरासत में ले लिया है।

दरअसल, पीएम की रैली से पहले रोड शो का आयोजन किया गया था। इस दौरान एक शख्स को पीएम की तरफ दौड़ लगाते हुए देखा गया। गनीमत रही कि सुरक्षा में लगे जवानों ने फुर्ती दिखाते हुए उसे पकड़ लिया। सुरक्षा एजेंसियों ने उसे हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

बताया गया कि ये शख्स काफिले में घुसने की कोशिश कर रहा था। तीन महीने के अंदर दूसरी बार पीएम की सुरक्षा में गड़बड़ी का मामला सामने आया है। इससे पहले जनवरी में कर्नाटक के हुबली में पीएम मोदी के रोड शो के दौरान एक बच्चा पीएम के करीब आ गया था।

कश्मीर घाटी को मिलेगी स्पेशल वंदे भारत, कम तापमान और बर्फबारी में भी दौड़ेगी ट्रेन

नई दिल्ली (आरएनएस)। कश्मीर घाटी में अगले साल से देश की प्रीमियम ट्रेन 'वंदे भारत' चलेगी। केंद्रशासित प्रदेश के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई 'वंदे भारत' ट्रेन तैयार की जा रही है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जम्मू और कश्मीर के दौरे पर हैं। केंद्रशासित प्रदेश को लेकर उन्होंने कहा कि प्रदेश में विशेष रूप से डिजाइन की गई 'वंदे भारत' ट्रेन तैयार की जा रही है। इस विशेष ट्रेन के निर्माण के क्रम में तापमान, बर्फ जैसी हर चीज को ध्यान में रखा जा रहा है।

दरअसल जम्मू को श्रीनगर से जोडऩे वाली उधमपुर बनिहाल लाइन इस साल दिसंबर या अगले साल की शुरूआत तक पूरी हो जाएगी। केंद्रीय रेल मंत्री ने कहा, उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लाइन पर अच्छी प्रगति हुई है। चिनाब और अंजी पुलों और प्रमुख सुरंगों के निर्माण के लिए भी काम चल रहा है और अच्छी प्रगति हो रही है। इस साल दिसंबर या अगले साल जनवरी-फरवरी में इस मार्ग पर ट्रेन चलने लगेगी। इस लाइन के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई 'वंदे भारत' ट्रेन तैयार की जा रही है।

रेल मंत्री ने कहा कि तीन क्षेत्रों- सोपोर कुपवाड़ा, अवंतीपुरा-शोपियां और बिजबेहरा-पहलगाम को भी रेल लाइन से जोडऩे की मांग हुई है और रेलवे इस पर विचार करेगा। उन्होंने कहा, हम जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल से बात करेंगे। फिर केंद्रीय गृह मंत्री (अमित शाह) और प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) के साथ इस संबंध में चर्चा करेंगे।

उन्होंने कहा कि बारामूला में लाइनों के दोहरीकरण पर हम विस्तृत चर्चा करेंगे। इस लाइन में तीन कनेक्शन और जोड़े जाने हैं। इस लाइन पर कई काम पूरे हो चुके हैं। विद्युतीकरण का काम लगभग पूरा हो चुका है। लाइन को एलओसी तक बढ़ाने पर भी एलजी से चर्चा होगी।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपने इस दौरे पर रेलवे के अधिकारियों के साथ बडगाम स्टेशन से बारामूला तक ट्रेन से यात्रा की। इन दो दिनों में रेलमंत्री कश्मीर में रेलवे परियोजनाओं का निरीक्षण करेंगे।

केंद्र ने कोविड-19 पर जारी की एडवाइजरी, विकसित होने वाले कारणों पर रखें पैनी नजर

नई दिल्ली(आरएनएस)। देश भर में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच, केंद्र ने शनिवार को एक ज्वाइंट एडवाइजरी जारी की, जिसमें विकसित होने वाले कारणों पर कड़ी नजर रखने पर जोर दिया गया है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के महानिदेशक डॉ राजीव बहल और केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने संयुक्त रूप से बीमारी के कारणों पर नजर रखने की सलाह देते हुए एडवाइजरी जारी की है।

एडवाइजरी में कहा गया, फरवरी 2023 से देश में कोविड-19 मामलों में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है। आज की तारीख में, देश में अधिकांश सक्रिय मामले बड़े पैमाने पर केरल (26.4 प्रतिशत), महाराष्ट्र (21.7 प्रतिशत), गुजरात (13.9 प्रतिशत), कर्नाटक (8.6 प्रतिशत) और तमिलनाडु (6.3 प्रतिशत) जैसे कुछ राज्यों द्वारा रिपोर्ट किए जा रहे हैं। जबकि बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु की दर कम बनी हुई है, मोटे तौर पर सभी राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा कोविड-19 टीकाकरण दरों के संदर्भ में प्राप्त महत्वपूर्ण कवरेज के कारण, मामलों में इस क्रमिक वृद्धि को उछाल को रोकने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यो को फिर से शुरू करने की आवश्यकता है।

एडवाइजरी में आगे कहा गया है, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को इन्फ्लुएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) और गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी (एसएआरआई) के मामलों के विकसित होने वाले कारणों पर कड़ी नजर रखनी चाहिए। भारत में आमतौर पर जनवरी से मार्च तक और फिर अगस्त से अक्टूबर तक इन्फ्लूएंजा के मामलों में मौसमी वृद्धि देखी जाती है। वर्तमान में, देश में इन्फ्लूएंजा के सबसे प्रमुख सबटाइप्स इन्फ्लूएंजा ए (एच1एन1) और इन्फ्लूएंजा ए (एच3एन2) प्रतीत होते हैं।

राज्यों को बताया गया है कि कोविड और इन्फ्लूएंजा संचरण के तरीके, उच्च जोखिम वाली आबादी, नैदानिक संकेतों और लक्षणों के संदर्भ में कई समानताएं साझा करते हैं। जबकि यह निदान के संदर्भ में उपस्थित डॉक्टरों के लिए एक नैदानिक दुविधा पेश कर सकता है, यह इन दोनों बीमारियों को सरल सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों का पालन करके आसानी से रोक सकता है, जैसे कि भीड़भाड़ और खराब हवादार स्थानों से बचना, भीड़ और बंद स्थानों में मास्क पहनना।

केंद्र ने यह भी सलाह दी है कि दवाओं, बेड्स, आईसीयू बेड्स, चिकित्सा उपकरण, चिकित्सा ऑक्सीजन, मौजूदा दिशा-निर्देशों के साथ-साथ टीकाकरण कवरेज पर मानव संसाधन की क्षमता निर्माण सहित अस्पताल की तैयारियों का जायजा लेने की भी सलाह दी है।

एडवाइजरी ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा टेस्टिंग के लो लेवल को भी हरी झंडी दिखाई है और कहा है कि डब्ल्यूएचओ द्वारा निर्धारित मानकों यानी प्रति मिलियन 140 परीक्षणों की तुलना में परीक्षण स्तर अपर्याप्त हैं।

जिला और ब्लॉक के स्तर पर परीक्षण भी भिन्न होता है, कुछ राज्य कम संवेदनशील रैपिड एंटीजन परीक्षणों पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं। इसलिए, कोविड-19 के लिए परीक्षण बनाए रखना महत्वपूर्ण है, जो समान रूप से राज्यों में वितरित किया जाता है।

जैसलमेर में परीक्षण के दौरान तीन मिसाइलें रास्ता भटकी, 2 खेत में मिलीं; एक की तलाश जारी

जैसलमेर (आरएनएस)। राजस्थान के सीमांत जैसलमेर पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज से सेना के मिसाइल फायरिंग के परीक्षण के दौरान तीन सरफेस टू एयर मिसाईल तकनीकी खराबी के कारण रास्ता भटक गई और लक्ष्य से हटकर अलग अलग स्थानों पर जोरदार धमाके के साथ जा गिरी।

इसमें दो मिसाइलें जैसलमेर जिले के नाचना क्षेत्र के अलग अलग इलाकों के खेतों में गिरी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नाचना के अजासर व सत्याय गांव के खेतों में जोरदार धमाके के साथ दो मिसाइलें गिरी जहां घटनास्थल पर बड़ा गड्ढा हो गया।

तीसरी मिसाईल का अभी पता नहीं चला पाया है। इस घटना के बाद पुलिस एवं सेना की टीम मौके पर पहुंच गई हैं वहीं तीसरी मिसाइल को ढूंढने में सेना द्वारा तलाशी अभियान शुरु किया गया है।

केंद्र ने तीन उच्च न्यायालयों में मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति की अधिसूचना जारी की

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने इलाहाबाद, छत्तीसगढ़ और पटना उच्च न्यायालयों में नए मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी। नए मुख्य न्यायाधीश इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति प्रीतिंकर दिवाकर, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा और पटना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन हैं।

कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने एक ट्वीट में कहा, भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, भारत के राष्ट्रपति ने निम्नलिखित न्यायाधीशों को उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के रूप में नियुक्त किया है। मैं उन सभी को शुभकामनाएं देता हूं।

9 फरवरी को एक बयान में, शीर्ष अदालत के कॉलेजियम ने कहा था: न्यायमूर्ति प्रीतिंकर दिवाकर इलाहाबाद में उच्च न्यायालय के न्यायपालिका में सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं, जहां वह 3 अक्टूबर 2018 से स्थानांतरण पर सेवारत हैं। फरवरी में, कॉलेजियम ने यह भी सिफारिश की कि 10 मार्च, 2023 को न्यायमूर्ति अरूप कुमार गोस्वामी की सेवानिवृत्ति के बाद न्यायमूर्ति सिन्हा को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया जाए।

कॉलेजियम ने कहा कि न्यायमूर्ति सिन्हा इलाहाबाद में उच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश हैं और 21 नवंबर, 2011 को उनकी पदोन्नति के बाद से वहां काम कर रहे हैं। इलाहाबाद में न्यायिक उच्च न्यायालय देश का सबसे बड़ा उच्च न्यायालय है और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नति के बाद, उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के बीच कोई प्रतिनिधित्व नहीं है।

कॉलेजियम ने एक बयान में कहा- प्रक्रिया ज्ञापन के संदर्भ में, छत्तीसगढ़ के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा की उपयुक्तता का पता लगाने के लिए परामर्शदाता-न्यायाधीशों के साथ परामर्श किया गया था, जिनका मूल उच्च न्यायालय इलाहाबाद उच्च न्यायालय है। परामर्शी-न्यायाधीशों ने न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा की छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के प्रस्ताव से सहमति व्यक्त की है।

एनआईए की पीएफआई के खिलाफ बड़ी कार्यवाई, दो कार्यालय सील, 10 बैंक खातों पर लगाई रोक

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कहा कि उसने राजस्थान में प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के दो कार्यालयों को सील कर दिया है और इसके 10 बैंक खातों पर भी रोक लगा दी है। एक अधिकारी ने कहा कि एनआईए राजस्थान में पीएफआई नेताओं और कैडरों द्वारा रची गई आपराधिक साजिश की जांच कर रही है, यह देश में विभिन्न समुदायों के बीच कट्टरपंथीकरण के जरिए खाई पैदा करने की कोशिश में शामिल हैं।

अधिकारी ने कहा, प्रतिबंधित संगठन भोले-भाले मुस्लिम युवाओं को हथियार चलाने का प्रशिक्षण भी देता रहा है। वह 2047 तक भारत में इस्लामिक शासन स्थापित करने के अंतिम उद्देश्य के साथ आतंक और हिंसा के कृत्यों को अंजाम देने के लिए धन जुटाते रहे हैं।

इससे पहले एनआईए ने इस मामले में 13 मार्च को कोटा के मोहम्मद आसिफ उर्फ आसिफ और बारां के सादिक सर्राफ के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी। अधिकारी ने कहा कि सितंबर 2022 में दर्ज मामले की जांच के दौरान पता चला कि पीएफआई के जयपुर और कोटा स्थित कार्यालयों का इस्तेमाल आतंकी प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन के लिए किया जा रहा था।

इन प्रशिक्षुओं, ज्यादातर युवा मुस्लिम युवाओं को सिर, गर्दन और छाती सहित शरीर के कमजोर बिंदुओं को निशाना बनाकर हमला करने, और हत्या करने के लिए खतरनाक हथियारों, जैसे चाकू और तलवार के इस्तेमाल का प्रशिक्षण दिया जा रहा था।

अधिकारी ने कहा- इसलिए, जयपुर और कोटा में पीएफआई कार्यालयों को यूए(पी) अधिनियम के प्रावधानों के तहत 'आतंकवाद की आय' के रूप में संलग्न किया गया है। एनआईए द्वारा आज कुर्क की गई संपत्तियों में राजस्थान के जयपुर में मोती डूंगरी रोड, पंजाब नेशनल बैंक के पास हाउस नंबर 256 स्थित पीएफआई कार्यालय और लालजी घाटी लाडपुरा कोटा के मदरसा फुरकानिया में अरकेन बड़ी मस्जिद के पास स्थित पीएफआई कार्यालय शामिल हैं।